राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने 92 अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया

पटना, 22 जनवरी 2020

''आज नये भारत का उदय हो रहा है। 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के सपने का लक्ष्य यही है कि हमारी राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को और अधिक शक्ति और सुदृढ़ता मिले तथा सामाजिक समरसता का विकास हो। समाज में शांति और सद्भावना के लिए आपसी भाईचारा जरूरी है तथा देश की एकता और अखंडता के लिए हमारे भीतर राष्ट्रीयता की भावना का भरपूर विकास जरूरी है।'' –उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने राज्यपाल सचिवालय एवं सैनिक कल्याण निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में राजभवन परिसर स्थित राजेन्द्र मंडप में आज आयोजित अमर शहीद सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों की वीर नारियों के सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

'वीर नारी सम्मान समारोह–2020' को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जो सैनिक कड़ाके की गर्मी और तथा दुर्गम वर्फीले क्षेत्रों में हाड़ कँपानेवाली ठंढ के बावजूद सीमा पर अपने कदम जमाए रखकर हमारे देश की रक्षा करते हैं, उनके सम्मान में अगर हम कुछ करते हैं तथा उनकी वीर नारियों और संतानों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाते हैं तो यह हमारे लिए गौरव की बात है। राज्यपाल ने कहा कि अपने वीर सैनिकों और उनके परिवारों की हर संभव सहायता करना हमारा फर्ज ही नहीं, नैतिक दायित्व भी है।

राज्यपाल ने कहा कि देश और देश की सरहदों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले भारत के अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित करना, उनके कल्याण के लिए हरसंभव कदम उठाना–देश और समाज का परम नैतिक कर्त्तव्य है। इन वीर नारियों के साथ सहयोग कर, उनकी सुविधाओं की व्यवस्था कर हम उनपर कोई एहसान नहीं करते, बल्कि अपनी नैतिक और राष्ट्रीय जबाबदेही को ही पूरा करते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न युद्धों और सीमाओं की रक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा और शांति–बहाली के क्रम में अपने प्राणों का अनुपम बलिदान देनेवाले देश के अमर शहीद सैनिकों से हमें राष्ट्र के प्रति प्रेम, त्याग और अपना सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि कार्यरत सभी सैन्य एवं सिविल अधिकारियों का भी यह दायित्व है कि वे इस बात पूरा ख्याल रखें कि अमर शहीदों की वीर नारियों को किसी भी समय कोई कठिनाई नहीं हो तथा उनकी स्वास्थ्य–सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि रोजगार/स्वरोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराते हुए वीर नारियों का आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है ताकि उनके आश्रितों का भी समुचित विकास हो सके।

राज्यपाल ने आज आयोजित 'वीर नारी सम्मान समारोह' के दौरान' वर्ष 1967 से 2003 तक की अवधि के दौरान शहीद हुए राज्य के अमर शहीद सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों की 92 वीर नारियों को आदर सहित अंगवस्त्रम्, सम्मान–पत्र एवं प्रत्येक को 51 हजार रूपये की सम्मान–राशि प्रदान की।

आगे पृष्ठ...2

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष सचिव, गृह विभाग श्री सुनील कुमार ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार सैनिकों तथा वीर शहीदों के आश्रितों के कल्याणार्थ अनेक योजनाएँ संचालित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मेधावी छात्रवृत्ति, वैवाहिक अनुदान, मकान मरम्मती अनुदान, विधवा पुनर्विवाह अनुदान, शिक्षा अनुदान तथा रक्षा संस्थान में मेधा के आधार पर चयनोपरान्त आर्थिक अनुदान आदि से संबंधित विभिन्न सरकारी सहायताएँ सैनिकों एवं अमर शहीदों के आश्रितों के लिए उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर 5 जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है तथा 8 की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। विशेष सचिव ने कहा कि जिलों में स्वतंत्र रूप से जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद सैनिक कल्याण से जुड़े मामलों के निस्तारण में पर्याप्त तेजी आयेगी।

कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने किया, जबकि स्वागत–भाषण सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक कर्नल दिलीप प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (विधि व्यवस्था) श्री अमित कुमार, बिहार–झारखंड सब एरिया मुख्यालय के जी॰ओ॰सी॰ मेजर जनरल राजपाल पुनिया, डिप्टी कमांडेन्ट कर्नल विनीत लोहिया, राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री राजकुमार सिन्हा सहित राज्यपाल सचिवालय, सैनिक कल्याण निदेशालय, बिहार रेजिमेन्ट सेन्टर, दानापुर एवं जिला प्रशासन के वरीय अधिकारीगण आदि भी उपस्थित थे।

.....